Bihar Board Class 6 Social Science Civics Notes
Chapter 2 ग्रामीण जीवन-यापन के स्वरूप

पाठ का सारांश

- भारत गाँवों का देश है, यहाँ छहलाख से भी अधिक गाँव है।
- गाँव के लोग अपनी आजीविका कई तरीकों से करते हैं।
- खेती में भी कई प्रकार के काम है जैसे खेत तैयार करना, रोपाई, बुवाई, निराई एवं कटाई।
- बिहार में अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न तरह की खेती की जाती है।
- मुर्गी पालन का उनका उद्देश्य खेती के साथ आय को बढ़ाना है ।
- गाँव में कुछ परिवार बड़ी-बड़ी जमीनों पर खेती, व्यापार और अन्य काम कर रहे हैं।
- ज्यादातर छोटे किसान, खेतीहर मजदूर, पशुपालक, दुग्ध उत्पादन कर्ता, मुर्गी पालक, हस्तशिल्प का काम करनेवाले लोगों को पूरे साल जीवन यापन करने के लिए काम नहीं मिल पाता है।
- घरेलू सेवा से जुड़े असंगठित श्रमिक, झग्मी-झोपड़ियों में रहते हैं या – बेघर हैं।
- शहरों में घरेलू सेवा, नौकरी, व्यवसाय की तरह ही अजीविका का बड़ा" साधन है। शहरों में हाऊसिंग सोसाइटी या निजी कोठियों में रहनेवाले लोगों के रोजमर्रा के काम करने के लिए ऐसे लाखों घरेलू कामगर हैं, जिनकी सेवाओं को मान्यता भी नहीं मिलती ।
- घरेलू कामगर आकर घर में झाड़ू-पोछा करते हैं, कपड़े धोते हैं खाना पकाते हैं और बरतन धोते हैं।
- बिहार में 85 प्रतिशत श्रमिक असंगठित क्षेत्र से जुड़े हैं।
- भारत में पांच हजार से ज्यादा शहर और सत्ताइस' महानगर हैं ।
- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई जैसे कई शहरों में दस लाख से भी ज्यादा लोग रहते और काम करते है।
- बिहार के शहरी इलाको में लाखों लोग फुटपाथ और ठेलों पर समान बेचते हैं।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/